AF-2513

M.A. (Previous)
Term End Examination, 2017-18

HINDI

Paper - I

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

Time : Three Hours] [*Maximum Marks* : 100
[*Minimum Pass Marks* : 36

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।

---

1. निम्नलिखित पद्यावतरणों में से किन्हीं **तीन** की सन्दर्भ एवं प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए : 10×3

(क) नंद क नंदन कदम्ब क तरु तर,

धिरे-धिरे मुरलि बजाव।

समय-संकेत निकेतन बइसल,

बेरि-बेरि बोलि पठाव॥

सामरि, तोरा लागि, अनुखन, बिकल मुरारी।

जमुना क तिर उपवन उदबेगल,

फिरि-फिरि ततहि निहारि॥

(ख) ''काहे री नलनी तू कुम्हलॉनी, तेरे ही
नालि सरोवर पानी,

जल में उत्पत्ति, जल में वास, जल में
नलिनी तोर निवास

ना तलि उत्पत्ति, ज ऊपरि आगि, तोर हेतु
कहु कासनि लागि,

कहै कबीर जे उदिक समान, ते पहीं मुए
हमारे जान।''

(ग) नागमती चितउर-पथ हेरा।

पिउ जो गए पुनि कीन्ह न फेरा॥

नागर काहू नारि बस परा।

तेइ मोर पिउ मोसों हरा॥

सुआ काल होइ लेइगा पीऊ।

पिउ नहिं जात, जात बरु जीऊ॥

(घ) हमारे हरि हारिल की लकरी।

मन वच क्रम नंदनंदन सो, उर यह दृढ़ कटि पकरी।

जागत, सोवत, सपने सौंतुख, कान्ह कान्ह जकरी।

सुनतहि जोग लगत ऐसो अलि, ज्यों करुई ककरी।

सोई व्याधि हमैं लै आए! देखी सुनी न करी।

यह तो सूर तिन्हैं लै दीजैं, जिनके मन चकरी॥

(ङ) सुनहु पवनसुत रहन हमारी।

जिमि दशनन्ह में जीम विचारी॥

तात कबहु मोति जान अनाथा,

करहिं कृपाभानु कुल नाथा॥

तामस तन कुछ साधन नाहीं।

प्रीति न पद सरोज मन माहीं॥

अब मोहि मा भरोस हनुमंता।

बिनु हरिकृपा मिलैं नहिं संता॥

(च) मेरी भवबाधा तरौ, राधा नागरि सोइ।
जा तन की झाँई परे, स्यामु हरित-कति होई॥
अजौ तर्‌यौना ही रह्यौ, श्रुति सेबत इके रंग।
नाक-बास बेसर लह्यौ, बसि मुकुतन के संग॥

2. गीतिकाव्य की दृष्टि से विद्यापति के गीतों का मूल्यांकन कीजिए। 15

अथवा

'कबीर के रहस्यवाद' पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'पद्मावत' अन्योक्ति है अथवा समासोक्ति। तर्क पूर्ण उत्तर दीजिए।

3. सूर की भक्ति भावना पर प्रकाश डालिए। 15

अथवा

सुंदरकांड की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

अथवा

बिहारी ने अपने दोहों में व्यंजना-शक्ति का सहारा लेकर 'गागर में सागर' भरने का सफल प्रयोग किया है। इस कथन की सार्थकता पर विचार कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 5×4

(क) ''रसखान का बाल-वर्णन सूर के बाल वर्णन की समता करने में सक्षम है।'' सिद्ध कीजिए।

(ख) नंददास की प्रमुख कृतियों के नाम बताइए एवं उनकी काव्यभाषा पर प्रकाश डालिए।

(ग) मीराबाई का परिचय दीजिए एवं उनकी प्रमुख रचनाओं के नाम बताइए।

(घ) रहीम की दानशीलता पर अपने विचार लिखिए।

(ङ) ''रसखान सच्चे अर्थों में भारतीय संस्कृति के प्रतिनिधि हैं।'' सिद्ध कीजिए।

(च) देव का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी रचनाओं के नाम बताइए।

(छ) अमीर खुसरो की काव्य वस्तु पर प्रकाश डालते हुए एक पहेली और एक मुकरी का उदाहरण दीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दस** के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 2×10

(क) 'आदिकाल' तथा 'रीतिकाल' के पर्याय नाम बताइए।

(ख) भक्तिकाल के किस कवि को लोकनायक कहा गया है?

(ग) 'रामचरित मानस' में कुल कितने कांड हैं?

(घ) कबीर की रचनाओं के संग्रह का क्या नाम है?

(ङ) अष्टछाप में सम्मिलित कवियों की संख्या कितनी है?

(च) 'पुष्टिमार्ग का जहाज' किस कवि को कहा गया?

(छ) बिहारी के आश्रयदाता का नाम क्या था?

(ज) 'कीर्तिलता' किस कवि की रचना है?

(झ) जायसी किस सम्प्रदाय के कवि थे?

(ञ) अमीर खुसरो ने क्या लिखा है?

(ट) 'भ्रमरगीत' से क्या आशय है?

(ठ) तुलसीदास को किस विद्वान ने सर्वप्रथम लोकनायक कहा?

(ड) भूषण विरचित किन्हीं दो प्रमुख ग्रंथों के नाम बताइए।

(ढ) रीतिकाल के किस कवि को 'अनुप्रासों का बादशाह' कहा गया है?

(ण) रसखान का पूरा नाम क्या था, और इनका संबंध किस राजवंश से था?

———